RAJYA SABHA

Monday, the 31st May, 1971/ the 10th Jyaistha, 1893 (Saka)

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

साहेबगंज–क्यूल लूप-लाइन

*150. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:** क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान पूर्व रेलवे की क्यूल-साहेबगंज लूप-लाइन के विकास के लिए कोई नये प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं ;

(ख) क्या उक्त मार्ग पर दोहरी रेलवे लाइन बिछाने, इस लूप लाइन का क्षेत्रीय कार्यालय जमालपुर में स्थापित करने और स्टेशनों की पुरानी इमारतों में सुधार करने तथा बेकार प्लेटफार्मों, शैडों इत्यादि को ठीक कराने के सम्बन्ध में कोई नये प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं ; और

(ग) फरक्का बांध के पूरे हो जाने के फलस्वरूप यातायात में होने वाली वृद्धि के भार को संभालने के लिए उक्त लाइन में क्या सुधार किये जाने का प्रस्ताव है ?

†[SAHIBGANJ-KIUL LOOPLINE

*150. SHRI J. P. YADAV: Will the Minister of RAILWAYS/ **रेल मंत्री** be pleased to state:

(a) whether Government have any fresh proposals under consideration for the development of the Kiul-Sahibganj loopline of the Eastern Railway during the Fourth Five Year Plan period;

(b) whether Government have also any proposals under consideration in regard to the (i) laying of a double track on the said line, (ii) establishment of the regional office of the loopline at Jamalpur and (iii) improvement in the old station buildings, unserviceable platforms and sheds, etc; and

(c) if so, the improvements proposed to be made on the said line to cope with the burden of additional traffic likely to result on the completion of the Farakka Barrage ?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS/ **रेल मंत्रालय में उप मंत्री** (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) No, Sir.

(b) The portion between Sainthia and Barharwa (106 Km) on the Sahibganj Loop Section is already doubled. There is neither any proposal under consideration to double the remaining single line portions of the Section nor for the establishment of any Regional Office at Jamalpur. Improvement to old station buildings is undertaken as and when found necessary. There are no unserviceable platforms and sheds on the loop section.

(c) Existing facilities are considered quite adequate to cater for the traffic likely to result on the completion of the Farakka Barrage.

†[**रेल मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी)**: (क) जी नहीं ।

(ख) साहिबगंज लूप खंड पर सैंथिया और बड़हरवा (106 कि०मी०) के बीच वाले भाग में दौहरी लाइन पहले ही बिछी हुई है । इस खंड के इकट्ठी लाइन वाले शेष भाग में दौहरी लाइन बिछाने का अथवा जमालपुर में क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । जब कभी आवश्यक समझा जाता है, स्टेशन की पुरानी इमारतों में सुधार किया जाता है । लूप खण्ड पर ऐसा कोई प्लेटफार्म या शैड नहीं है जो काम की दृष्टि से उपयोगी न हो ।

(ग) फरक्का बांध बन जाने पर जितना यातायात आने की संभावना है, उसे सम्भालने के लिए वर्तमान सुविधाएं बिल्कुल पर्याप्त समझी जाती हैं ।]

†[ ] English translation.

†[ ] Hindi translation.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या यह सत्य नहीं है कि इस साहेबगंज लूप लाइन पर जितने भी पुराने स्टेशन हैं उन सभी स्टेशनों के भवन बेकार हो चुके हैं और बरसात में चूते हैं और किसी में भी शेड पूरा नहीं है। उदाहरणस्वरूप अभयपुर बरियारपुर स्टेशन को ले लें। अगर वहाँ बारिश हो रही हो तो गाड़ी ठहरने पर उसमें से उतरने वाला यात्री वहाँ भीग जायेगा। अभयपुर में प्लैट फार्म है ही नहीं। इस तरह से जितने भी पुराने स्टेशन हैं उनमें किसी का भवन ठीक नहीं है, शेड ठीक नहीं हैं और स्टेशन के दूसरी तरफ के शेड भी नहीं हैं, या हैं तो बेकार हैं। दूसरी बात यह कि क्या यह सच नहीं है कि इन स्टेशनों में किसी पर भी विश्रामालय नहीं है और उसकी कोई व्यवस्था भी नहीं है। स्टेशनों के बगल में कोई यूरिनल भी नहीं है और न वहाँ कोई पीने के पानी की व्यवस्था है। इसी प्रकार इस लूप लाइन में केवल एकमात्र एक्सप्रेस गाड़ी चलती है अपर इंडिया और वह भी कभी समय पर नहीं चलती है. . .

श्री बाबुभाई एम० चिनाई : कौन-सी गाड़ी समय पर चलती है ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : उस लाइन पर कोई भी गाड़ी समय पर नहीं चलती है।

श्री सभापति : आप प्रश्न पूछिये।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : यही प्रश्न पूछ रहा हूं कि पंचवर्षीय योजना में इसके डेवलपमेंट की कोई स्कीम नहीं है और इसीलिए मैं पूछ रहा हूं कि जब वहां प्लेटफार्म, शेड, भवन, आदि कोई भी चीज नहीं है तो उसके लिए कुछ सोचा क्यों नहीं जा रहा है ? मेरा सवाल यह है कि चौथी योजना में वह कहते हैं कि उसके विकास की कोई योजना नहीं है तो जिन चीजों में विकास होना चाहिए यह सब वहां मौजूद हैं और वहां उनकी आवश्यकता है और इसके लिए मैंने दर्जनों बार रेलवे विभाग से लिखा पढ़ी की है. . .

श्री सभापति : आप सवाल पूछिये।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मेरा सवाल यह है कि आप मंत्री जी से पूछ लें कि यह सवाल वहां हैं या नहीं। लूप लाइन के रीजनल आफिस के लिए मैंने लिखा कि रीजनल आफिस न होने के कारण लूप लाइन की यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी का जो मेम्बर है वह भी कलकत्ते का है, लूप लाइन एरिया का नहीं है।

श्री सभापति : आप बहुत-सी बातें बताये जा रहे हैं कि कहां का कौन है, कहां पर क्या नहीं है, आप इसके बजाय सवाल पूछिये।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : तो इन सब बातों की जानकारी उनके पास है। तो मैं उनका ही रेफरेंस दे कर पूछ रहा हूं कि इस रेफरेंस के बाद भी वह जवाब देने की कृपा करें कि वहां स्टेशनों पर जो प्लेटफार्म, शेड, विश्रामालय आदि नहीं हैं. . .

श्री सभापति : आप दोहराते जा रहे हैं और यह बात कई बार आ चुकी है कि वहां प्लेटफार्म नहीं है, यह नहीं है, वह नहीं है. . .

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मेरा तो यही पूछना है कि. . .

श्री राजनारायण : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है और प्रश्न यह है कि प्रश्न संख्या 150 यादव जी का प्रश्न है। क्या आप यह व्यवस्था दे रहे हैं कि वे प्रश्न का पहले 'क' भाग जो है उसके बारे में ही प्रश्न पूछें, या उसके 'क' 'ख' और 'ग', तीनों भागों के बारे में एक साथ प्रश्न पूछ सकते हैं। उन्होंने कोई ऐसी बात नहीं कही है जो प्रश्न के बाहर की बात हो और उसके बाद भी आप बार-बार उनको टोक रहे हैं।

श्री सभापति : मैं इसलिए टोक रहा हूं. . .

श्री राजनारायण : आप पहले व्यवस्था कीजिए कि वे 'क' के बारे में भी प्रश्न पूछ सकते हैं या 'क', 'ख' और 'ग' तीनों के बारे में

पूछ सकते हैं। तीनों को सन्निहित र के ही वह प्रश्न पूछ रहे हैं।

श्री सभापति: सवाल पूछने के लिए मैं उनको कह रहा हूं। मैं इसलिए उनको मना कर रहा हूं कि वे एक ही बात को बार-बार न दोहरायें।

श्री राजनारायण: यह तमाम बातें तो सवाल में ही लिखी हुई हैं और उनके बारे में सरकार ने कुछ नहीं कहा।

श्री सभापति: तो फिर उन सबको दोहराने की क्या जरूरत है ?

श्री राजनारायण: जो सरकार अन्धी, बहरी, लंगड़ी, लूली है वह कई बार समझाने पर भी समझ नहीं पाती इसलिये उनका परम पुनीत कर्तव्य है कि उसको समझायें। बेकार टोकते हैं।

श्री सभापति: आप एक सवाल करने में दस-दस या पंद्रह-पंद्रह मिनट लीजियेगा ?

श्री राजनारायण: इतना महत्वपूर्ण सवाल है, तमाम फर्रुखा बराज का मामला है। आप सरकार को देखेंगे नहीं और आप मेम्बरों को इस तरह से टोकेंगे।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव: श्रीमन्, मेरा विनम्र निवेदन यह है कि एक दर्जन चिट्ठी लिखने के बाद भी जब सरकार ने कोई सुनवाई नहीं की तब हमें इस सदन में प्रश्न करने की आवश्यकता पड़ी और इसकी आवश्यकता पड़ने पर भी जो प्रश्न का जवाब है उसमें सीधे से "न" कर देते हैं। इसके बाद, श्रीमन्, मैं आपकी सुरक्षा भी चाहूंगा। वहां जिस-जिस स्टेशन को मैंने अपनी आंखों से देखा है वहां-वहां शेड नहीं है और अगर है तो वह चूता है, विश्रामालय नहीं है। उसके बाद भी कहते हैं कि यह सब ठीक है। अब अगर सवाल पूरे ब्यौरे से नहीं पूछेंगे तो फिर क्या करेंगे ?

श्री सभापति: आप देखिये कि टाइम कितना ले रहे हैं एक सवाल में। और मेम्बर जो सवाल पूछेंगे उनको टाइम नहीं होना चाहिये।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव: हमने तो एक सवाल उसी स्टेशन के बारे में पूछा है।

दूसरा सवाल यह है कि फरक्खा बराज कम्प्लीट होने को है या करीब-करीब कम्प्लीट हो चुका है तो फिर वहां पर और भी गाड़ियां चलेंगी और मुख्य लाइन पर अभी भी गाड़ियां चलाने को जगह नहीं है। बरौनी में अगर हड़ताल होती है या और कहीं कोई गड़बड़ी होती है तो बरौनी की हड़ताल होने के कारण आसाम मेल इसी लाइन से गई है और उसका फल यह होता है कि इस लाइन की जो सर्वसाधारण गाड़ियां हैं वह कई-कई घंटे लेट होती हैं तो इसलिये मैंने पूछा कि पंचवर्षीय योजना में डबल लाइन करने के लिये क्या योजना है ?

MR. CHAIRMAN: I hope Members will not come to me and say that I should do more questions.

شری محمد شفیع قریشی: اس صاحب گنج لوپ لائن سیکشن میں 64 ریلوے اسٹیشن ہیں جن میں سے 29 میں پلیٹ فارم شیڈس وغیرہ بنے ہوئے ہیں اور سب کے سب اسٹیشنوں پر یاتریوں کو ٹھہرنے کی وہاں سہولیت دی گئی ہے۔ اس کا سب انتظام کیا جاتا ہے۔ ہم نے 1948-49 میں ایک لاکھہ اسی ہزار روپیہ یاتریوں کی سہولیت پر خرچ کیا اور اس کے بعد 2 لاکھہ 35 ہزار روپیہ اس سیکشن پر خرچ کر رہے ہیں۔ جہاں شیڈ بنانے کی، پلیٹ فارم بنانے کی ضرورت پڑتی ہے وہاں وہاں روپیہ خرچ کیا جاتا ہے جہاں تک پینے کے پانی کا سوال ہے وہ پہلے سے موجود ہے اور سب کے سب اسٹیشنوں پر موجود ہے۔

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :** इस साहेबगंज लूप लाइन सेक्शन में 64 रेलवे स्टेशन हैं जिनमें से 29 में प्लेट-फार्म शैड्स वगैरा बने हुए हैं और सबके सब स्टेशनों पर यात्रियों को ठहरने की वहां सहूलत दी गई है । इसका सब इन्तजाम किया जाता है । हमने 1968-69 में एक लाख अस्सी हजार रुपया यात्रियों की सहूलत पर खर्च किया और उसके बाद दो लाख पैंतीस हजार रुपया इस सेक्शन पर खर्च कर रहे हैं । जहां-जहां शैड बनाने की, प्लेट-फार्म बनाने की जरूरत पड़ती है वहां-वहां रुपया खर्च किया जाता है । जहां तक पीने के पानी का सवाल है वह पहले से मौजूद है और सबके सब स्टेशनों पर मौजूद है ।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : बरियारपुर और अभयपुर स्टेशन के बारे में मैंने कहा। न प्लैटफार्म है, न शैड है। सबके सब पुराने स्टेशनों की यही हालत है। और आप नये स्टेशनों का जिक्र करते जाते हैं, 64 जो आपने बनाये हैं वह नये स्टेशन बनाये हैं लेकिन पुराने स्टेशन जो हैं, बरियारपुर और अभयपुर जिनका मैंने कहा, वह साहिबगंज लूपलाइन सेक्शन में ही हैं और उन्हीं स्टेशनों का मैंने जिक्र किया। पुराने स्टेशनों का हमने कहा है । उसको देख लीजिये । मैंने इनके कितने पत्र दिये हैं, किसी का कोई जवाब नहीं मिला ।

شری محمد شفیع قریشی : آپ کو پتر کا جواب مل چکا ھے - آپ نے نندا جی کو پتر لکھا تھا اور اس کا جواب دسمبر مین دیا جا چکا ھے - یہ بات دوسری ھے کہ اس جواب سے آپ مطمئین ھون یا نہ ھون-

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :** आप को पत्र का जवाब मिल चुका है । आप ने नन्दाजी को पत्र लिखा था और उसका जवाब दिसम्बर में दिया जा चुका है । यह बात दूसरी है कि इस जवाब से आप मुतमइन हों या न हों ।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : जवाब में हम से कहा गया कि असिसटेंट मैनेजर हमसे इस प्रश्न को बरियारपुर स्टेशन पर डिसकस कर लेंगे लेकिन उन्होंने अभी तक डिसकस नहीं किया ।

شری محمد شفیع قریشی : جہاں تک ان اسٹیشنوں کا سوال ھے جن کا تذکرہ انہوں نے کیا ھے ان پر جب بھی کبھی ضرورت پڑتی ھے کوئی ڈیولیپمینٹ کرنے کی یا اور سوئیدھا دینے کی تو فنڈ کا خیال رکھتے ھوئے وہ سوئیدھا مسافروں کو دی جاتی ھے-

مانیئے ممبر نے ایک سوال یہ کیا ھے کہ فرخ بیراج بننے سے وھاں پر ٹریفک بڑھ جائے گا اور کیا اس ٹریفک کی ضرورت کو ھم پورا کرسکینگے یا نہیں تو اس لوپ لائین سیکشن مین اس وقت 14 یا 15 گاڑیاں چلتی ھیں اور اسکی جو کیپیسٹی ھے وہ 22 گاڑیوں کی ھے تو فرخ بیراج کے مکمل ھونے تکہ . . .

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :** जहां तक उन स्टेशनों का सवाल है जिनका तस्करा उन्होंने किया है उन पर जब भी कभी जरूरत पड़ती है कोई डेवलपमेंट करने की या और सुविधा देने की तो फन्ड का ख्याल रखते हुए वह सुविध. मुसाफिरों को दी जाती है ।

माननीय मेम्बर ने एक सवाल यह किया है कि फरक्का बराज बनने से वहां पर ट्रैफिक बढ़ जायेगा और क्या इस ट्रैफिक की जरूरत को हम पूरा कर सकेंगे या नहीं । तो इस लूप लाइन सैक्शन में इस वक्त 14 या 15 गाड़ियां चलती

† [ ] Hindi transliteration

हैं और इसकी जो कैपेसिटी है वह 22 गाड़ियों की है, तो फरक्का बराज के मुकम्मल होने तक . . .]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सिर्फ जमालपुर वर्कशाप में 12 गाड़ियां जाती हैं और वह बारहों गाड़ियों के लिये . . .

श्री सभापति : आप चलने नहीं देते, किसी को जवाब भी खत्म नहीं करने देते ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : जहां सिर्फ एक जगह के लिये 12 वर्कस ट्रेन चलती हैं वहां और कितनी गाड़ियों की जरूरत है । वह गलत जवाब देते हैं ।

شری محمد شفیع قریشی : جیسا میں نے عرض کیا - چودہ پندرہ گاڑیاں جمال پور اور صاحب گنج کے درمیان چلتی ہیں وہ جو اوپر کے حصہ سے ہوکر فرخ کا جاتی ہیں وہاں کیپیسیٹی بہت زیادہ ہے 22 ٹرینوں کی کیپیسیٹی ہے جب کہ اس کا انتظام چودہ پندرہ گاڑیوں میں چلتا ہے— جب بھی ضرورت پڑتی ہے اس کیپیسٹی کو بڑھایا جا سکتا ہے . . .

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : जैसा मैंने अर्ज किया 14-15 गाड़ियां जमालपुर और साहेबगंज के दरम्यान चलती हैं वह जो ऊपर के हिस्से से होकर फरक्का जाती हैं । वहां कैपेसिटी बहुत ज्यादा है, 22 ट्रेनों की कैपेसिटी है जबकि इसका इन्तज़ाम 14-15 गाड़ियों में चलता है । जब भी जरूरत पड़ती है इस कैपेसिटी को बढ़ाया जा सकता है ।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, हमारा एक सवाल और है . . .

श्री सभापति : आपके कई प्रश्न हो गए ।

†[ ] Hindi Transliteration.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सेकेन्ड क्वेश्चन अभी पूछा नहीं । हमारे लिए कौन-सा नियम बन जाएगा ? हम सरकार से जानना चाहते हैं जरूरी कब समझती है सरकार, जबकि हर ट्रेन लेट होती हैं इसलिए कि डबल लाइन नहीं है, जमालपुर से क्यूल वर्कशाप की वजह से ट्रेने जाती हैं और मुंगेर की ओर, सुलतानपुर की ओर, कजरा की ओर सभी गाड़ियां लेट हो जाती हैं, क्योंकि डबल लाइन नहीं है और वर्कशाप की गाड़ियों को लाने के कारण से सभी गाड़ियां रुक जाती हैं । तो क्या सरकार यह जरूरी नहीं समझती कि इस जगह पर डबल लाइन करें कि जिससे वहां पर गाड़ियां समय पर चल सकें ?

दूसरी बात, मैं सरकार से सीधे शब्दों में जानना चाहता हूं, कि इस लाइन का नाम लूप लाइन है, और सरकार आज लूप लागने का प्रचार कर रही है, तो क्या तमाम गाड़ियों को रोक देने के वास्ते ही यह लूप लाइन है ? और क्या जो भागलपुर में रेलवे का उद्घाटन करते समय रेलवे मंत्री ने कहा था कि एक्सप्रेस लाइन बना देंगे उसको कहां तक पूरा किया गया ? क्या मंत्रियों के आश्वासन की कोई कीमत नहीं रह गई है ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: Sir, what should I reply ? He is talking about family planning loop. This is not family planning loop. This is railway loop. He is asking me whether the Government is now trying to curb the activities of the trains because we have adopted the loop policy. So there is no point in what he has asked.

SHRI A. D. MANI: In answer to (a) of the question the Minister said "No". May I ask him whether the "No" is based on the ground that the Government does not have financial resources for undertaking this work or whether a policy decision was taken by the Government that they would not develop any unremunerative line ? This is a very important matter because the railways are incurring deficit year after year and we are spending as much as Rs. 8 crores on unremunerative lines.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The proposals for doubling the lines are definitely considered but there are certain factors to be taken into consideration like density of the traffic, the availability of goods traffic, etc. So the density of the present traffic does not justify the doubling of these lines.

TOP PRIORITY FOR CONVERSION OF NARROW GAUGE LINES

*151. SHRI T. V. ANANDAN: Will the Minister of RAILWAYS/ रेल मंत्री be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to accord top priority for the conversion of narrow gauge lines to reduce payment of claims compensation, ensure quick trnsportation of goods traffic and efficiency in passenger traffic; and

(b) If so, what are the details in regard thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS/ रेल मंत्रालय में उपमंत्री (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b) No, Sir. In pursuance of the recommendations of the Uneconomic Branch Lines Committee, 1969, traffic surveys have been taken up for conversion of the following narrow gauge sections to board gauge:

1. Kurduwadi-Pandharpur;
2. Raipur-Dhamtari;
3. Krishnanagar City-Shantipur;
4. Rupsa-Talband;
5. Purulia-Kotshila;
6. Chhota Udaipur-Partap Nagar.

Also, similar survey is proposed to be taken up for conversion of the northern portion of of the Satpura Narrow Gauge lines on the South Eastern Railway.

SHRI T. V. ANANDAN: Does the honourable Minister realise that he has said in the Budget proposals that the railways are running in loss ? Is it not a fact that this narrow gauge railway system in the country is a major factor in the loss sustained by the Railway Ministry ? Is it also not a fact that somewhere in 1952 when Shri Gopalaswami Iyengar was the Minister of Railways a decision was taken that the conversion of all the railways into one gauge was very essential for this country ? If so, when the Government has taken such a decision why have narrow gauge diesel engines been indented for this country ? Why has it been done when there is a proposal to ronvert the narrow gauge into meter or board gauge ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The question of conversion of railways from one gauge to another is being considered and we are now thinking that it is necessary that we should go ahead with one gauge system.

SHRI T. V. ANANDAN: Sir, he has not answered my point. Knowing fully well that a policy decision was taken for the conversion of narrow gauge lines, why have they indented for narrow gauge diesel engines from America ? That is my point.

SHRI ARJUN ARORA: Because they are available on credit.

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Minister, do you wish to add anything ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: Sir, as I have said in my reply, there is some misunderstanding on the question. When I have said "No, Sir", it only refers to the question whether we have given top priority.

MR. CHAIRMAN: Yes, please.

SHRI T. V. ANANDAN: Sir, I have my second supplementary question. Sir, in the Budget proposal, the hon. Minister has said that he has curtailed in the Fourth Plan to the extent of Rs. 275 crores. Can't he make use of the amount to the wholesale conversion of these 4,000 km of narrow gauge lines, which will not only avoid losses, but will also solve the problem of unemployment ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: This is a suggestion for consideration, Sir.

SHRI BRAHMANANDA PANDA: Sir, I do not find a mention about the narrow gauge line from Palasa to Gunupur. What does the Government propose to do about it, about the conversion of the narrow gauge line Palasa-Gunupur ? Has the Government any plan in view ?